Notes

Date 14/08/20

मूर्त एवं अमूर्त ज्ञान

मूर्त ज्ञान — मूर्त ज्ञान में अनेक प्रकार की विशेषताएं होती हैं।

1- प्रामाणिकता
2. इन्द्रिय अनुभव
3- निश्चित आकार
4- भावी वर्णन में निश्चितता
5- अस्तित्व का उपस्थित होना
6- विश्वसनीयता की उपस्थिति
7- वैधता की उपस्थिति

अमूर्त ज्ञान :-

1- तर्क एवं चिन्तन के सम्बन्ध में
2. दर्शन ~~से~~ से सम्बन्ध
3. आदर्शों से सम्बन्ध
4- मनोविज्ञान से सम्बन्ध
5- विश्वसनीयता का ~~आभ~~ अभाव
6- प्रत्यक्ष का ~~अभाव~~ अभाव
7. परम्पराओं ~~से~~ से सम्बन्ध

1- अमूर्त ज्ञान का सम्बन्ध तर्क एवं चिन्तन से सम्बन्धित है। अमूर्त ज्ञान किसी भी वस्तु का वर्णन व्यक्ति अपने तर्क चिन्तन के आधार पर करता है। क्योंकि इसमें वस्तु प्रत्यक्ष नहीं होती है।

Notes

2- अमूर्त ज्ञान मे दर्शन का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ज्ञान के विकास में दार्शनिक विचारो के आधार पर सम्भव होता है। अमूर्त ज्ञान के रूप में दर्शन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप सम्बन्धित होता है। जैसे आदर्शवादी दर्शन में सत्यम् शिवम् सुन्दरम् के आदर्श पर आधारित होता है।

3- आदर्शो के सम्बन्ध में अमूर्त ज्ञान से ही होता है। भारतीय दर्शन में मोक्ष या आत्मा एवं उच्च आदर्श माना गया है। क्योंकि पूर्ण पारलौकिक आदर्श से सम्बन्धित है।

4 दार्शनिक ज्ञान की भाँति मनोविज्ञान का ज्ञान भी अमूर्त ज्ञान से सम्बन्धित है। बुद्धि, बुद्धि लब्धि एवं समायोजन की क्षमता पर अनेक विषय जो कि मनोविज्ञान के विचारो एवं तर्को से स्पष्ट होता है।

5- अमूर्त ज्ञान में विश्वसनीयता का अभाव पाया जाता है। क्योंकि इस ज्ञान में व्यक्ति व्यक्तिगत विचारों का समावेश होता है। जो प्रमाणिक भी हो सकता है। तथा अप्रमाणिक भी। शिक्षण विधि में आदर्शवाद प्रकृतिवाद आदि से सम्बन्धित अनेक विचारधाराएँ प्रचलित हैं। इन विचारधाराओ में शिक्षाशास्त्रियों द्वारा अनुभव प्रचलित हैं।

6 अमूर्त ज्ञान मे वैधता का भी अभाव पाया जाता है। क्योंकि इस ज्ञान को प्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत करने में कठिनाई होती है। इस लिए जन सामान्य की दृष्टि से अमूर्त ज्ञान में वैधता को सिद्ध करने में कठिनाईया होती है।

Notes

अनेक प्रकार की कल्पनाओं का समावेश इसी इसी वैधता पर प्रश्न चिन्ह लगता हैं।

7 जिस मूर्त ज्ञान मे वस्तु प्रत्यक्ष ~~आँखों मे~~ रूप में दृष्टिगोचर होती है। उसी प्रकार अमूर्त ज्ञान को प्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत नही किया जाता

8- अमूर्त ज्ञान का सम्बन्ध परम्पराओं से पाया जाता हैं अमूर्त ज्ञान का विकास हम. सांस्कृतिक एवं धार्मिक परम्पराओं पर ~~आ पाया~~ ... से सम्बाधित हैं जैसे भारतीय समाज मे सा... परम्पराओ एवं धार्मिक परम्पराओं का व्यवहारिक स्वरूप अमूर्त मान्यताओं पर आधारित होता हैं।

सैद्धान्तिक और व्यवहारिक ज्ञान

1- सैद्धान्तिक ज्ञान

1- व्यवहार का आधार
2. वर्णन पर आधारित
3- विचारों से सम्बन्ध
4 मनोविज्ञान का सम्बन्ध
5- रुचि से ~~से~~ सम्बन्ध
6- क्रियाशीलता का अभाव
7 अमूर्त ज्ञान से सम्बन्ध
8. तर्क एवं चिन्तन का प्रभाव

व्यवहारिक ज्ञान

1- उपयोगिता
क्रियाशीलता
प्रयोग प्रदर्शन

विकास का आधार
कल्पनाओं का अभाव

विद्यालय मे और विद्यालय के बाहर ज्ञान

ज्ञान का केवल मात्र विद्यालय में नही वरन् बालक विद्यालय के बाहर भी ज्ञान प्राप्त करता है। बालक औपचारिक तथा अनौपचारिक ज्ञान के रूप मे प्राप्त

1- विद्यालय में ज्ञान

1- क्रमबद्ध ज्ञान
2. स्तरानुकूल ज्ञान
3. औपचारिक ज्ञान की व्यवस्था
4. प्रभावी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया